

पानी की पाईप से बताया भौपू कांसेप्ट, परछाई के गिनाए रंग

जेके लक्ष्मीपत यूनिवर्सिटी में चल रहे ओरिएंटेशन कार्यक्रम के अंतर्गत आईआईटी गांधीनगर के प्रो. मनीष जैन ने इनोवेटिव सेशन में छोटे-छोटे खिलौनों से सिखाए बड़े कांसेप्ट। स्टूडेंट्स इनोवेशन देखकर हुए अचभित।



खबरों की दुनिया

जयपुर। भौतिक विज्ञान के पास्कल का नियम एक इजेक्शन से लेकर बड़ी मशीनों में एक ही तरह काम करता है, इसका उद्देश्य है कम इनपुट में ज्यादा आउटपुट। परछाई के कई रंग हो सकते हैं। एक बल्ब से गणितज्ञ

रामानुजन की छवि बनाई जा सकती है। सुनने में अटपटी लेकिन एकदम सटीक। ऐसे ही बहुत सारे बेजोड़ कांसेप्ट्स के साथ गणित और विज्ञान के मेल के सहारे आईआईटी गांधीनगर के सेंटर फॉर क्रिएटिव लर्निंग के प्रिंसिपल कॉर्डिनेटर प्रोफेसर मनीष जैन स्टूडेंट्स से रूबरू हुए। वे जेके

लक्ष्मीपत यूनिवर्सिटी में चल रहे दस दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम के अंतर्गत गुरुवार को यूनिवर्सिटी में स्टूडेंट्स के सेशन ले रहे थे। उन्होंने अपने सेशन में अबूझ से लगने वाले कांसेप्ट्स को सरल, सीधे और रोचक तरीके से समझाया। अपने साथ लाए छोटे-छोटे खिलौनों की मदद से कई

जटिल गणनाओं को चुटकी में हल करना सिखाया। इस अवसर पर उन्होंने गोले, तारापत्ती आदि में गणितीय समीकरणों की सहयता से कई जादू सीखे बेहतर कांसेप्ट्स को समझाया। इस अवसर पर नए स्टूडेंट्स ने भी अपनी क्वेरीज की, जिनके जवाब उन्होंने बड़े ही रोचक

अंदाज में दिए। सेशन के दौरान उन्होंने ए-4 साइज, गोले, पानी, पाइप का भौपू, प्रकाश जैसी सामान्य सी चीजों से विज्ञान के कई बड़ी गणनाओं को उदाहरण देकर समझाया। इस मौके जेकेएल्यू के वाइस चांसलर प्रो. धीरज सांघी ने उनके इनोवेटिव आयडियाज और टीचिंग मैथेडोलॉजी

की तारीफ करते हुए स्टूडेंट्स से कहा कि अलग और बेहतर सोच के साथ इनोवेशन में स्टूडेंट्स को पहले ही दिन से जुट जाना चाहिए। कार्यक्रम के कॉर्डिनेटर दीपक सोगानी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया एवं विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा स्टूडेंट्स के साथ साझा की।